भारत सरकार
रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग

राज्य सभा
तारांकित प्रश्न संख्या 103*

जिसका उत्तर मंगलवार, 28 जुलाई, 2026/6 श्रावण, 1948 (शक) को दिया जाना है।

नामरूप स्थित अमोनिया-यूरिया संयंत्र

103* श्री जोगेन मोहन:

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने ब्रह्मपुत्र वैली फर्टिलाइजर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीवीएफसीएल), नामरूप में प्रस्तावित चौथे अमोनिया-यूरिया संयंत्र की प्रगति की समीक्षा की है;

(ख) यदि हां, तो अब तक की गई कार्रवाई का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इस परियोजना से देश में घरेलू यूरिया उत्पादन में वृद्धि होने तथा आयात पर निर्भरता कम होने की संभावना है; और

(घ) यदि हां, तो इसकी अनुमानित उत्पादन क्षमता कितनी है?

रसायन एवं उर्वरक तथा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री
(श्री जगत प्रकाश नड्डा)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

'नामरूप स्थित अमोनिया-यूरिया संयंत्र' के संबंध में श्री जोगेन मोहन द्वारा पूछे गए दिनांक 28.07.2026 के राज्य सभा तारांकित प्रश्न सं.103* के उत्तर के भाग (क) से (घ) में उल्लिखित विवरण:

(क) और (ख): मंत्रिमंडल ने दिनांक 19.03.2025 को आयोजित अपनी बैठक में असम के नामरूप स्थित ब्रह्मपुत्र वैली फर्टिलाइज़र कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीवीएफसीएल) के वर्तमान परिसर में संयुक्त उद्यम कंपनी के माध्यम से 12.7 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) वार्षिक यूरिया उत्पादन क्षमता वाले एक नए ब्राउनफील्ड अमोनिया-यूरिया परिसर की स्थापना के प्रस्ताव को ₹10,601.40 करोड़ की अनुमानित कुल परियोजना लागत पर अनुमोदित किया। इस परियोजना का शिलान्यास माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 21.12.2025 को किया गया। परियोजना की शुरुआत के लिए अनुमानित कुल समय-सीमा 48 माह निर्धारित की गई है।

दिनांक 25.07.2025 को निगमित असम वैली फर्टिलाइज़र एंड केमिकल कंपनी लिमिटेड (एवीएफसीसीएल) नामक संयुक्त उद्यम कंपनी की मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित इक्विटी भागीदारी निम्नानुसार है:

क्र.सं.	**संयुक्त उद्यम भागीदार**	**इक्विटी शेयर (%)**
1	असम सरकार	40%
2	ब्रह्मपुत्र वैली फर्टिलाइज़र कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीवीएफसीएल) *(मूर्त परिसंपत्तियों के स्थान पर)*	11%
3	हिंदुस्तान उर्वरक और रसायन लिमिटेड (एचयूआरएल)	13%
4	नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (एनएफएल)	18%
5	ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल)	18%

असम वैली फर्टिलाइज़र एंड केमिकल कंपनी लिमिटेड (एवीएफसीसीएल) ने नामरूप (असम) में प्रस्तावित अमोनिया-यूरिया परियोजना के लिए पूर्व-एकमुश्त टर्नकी (एलएसटीके) सेवाएँ प्रदान करने हेतु प्रोजेक्ट्स एंड डेवलपमेंट इंडिया लिमिटेड (पीडीआईएल) को परियोजना प्रबंधन परामर्शदाता (पीएमसी) नियुक्त किया है। परियोजना के लिए निविदा आमंत्रण सूचना (एनआईटी) जारी कर दी गई है। वर्तमान में परियोजना से संबंधित पूर्व-परियोजना गतिविधियाँ प्रगति पर हैं।

सरकार द्वारा असम सरकार के परामर्श से नामरूप-IV अमोनिया-यूरिया उर्वरक संयंत्र की प्रगति की नियमित समीक्षा की जा रही है, ताकि परियोजना का समयबद्ध कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।

(ग) और (घ): इस परियोजना से देश की स्वदेशी यूरिया उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होने की अपेक्षा है, विशेष रूप से देश के पूर्वोत्तर और पूर्वी क्षेत्रों की उर्वरक आवश्यकताओं की पूर्ति में यह महत्त्वपूर्ण योगदान देगी। इस प्रकार, नामरूप-IV परियोजना से देश की घरेलू उर्वरक उत्पादन क्षमता को सुदृढ़ करने तथा दीर्घकालिक उर्वरक सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने की अपेक्षा है।

इस परियोजना में नीम-लेपित यूरिया की वार्षिक संस्थापित उत्पादन क्षमता 12.70 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) होगी और 2,200 मीट्रिक टन प्रतिदिन (एमटीपीडी) क्षमता का अमोनिया संयंत्र तथा 3,850 मीट्रिक टन प्रतिदिन (एमटीपीडी) क्षमता का यूरिया संयंत्र स्थापित किया जाएगा।

****